

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th

Subject : Political science

Chapter : 6

Chapter Name : नागरिकता

Q1 राजनीतिक समुदाय की पूर्ण और समान सदस्यता के रूप में नागरिकता में अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। समकालीन लोकतांत्रिक राज्य में नागरिक किस अधिकार की उम्मीद कर सकते हैं? उनके राज्य और साथी नागरिकों पर किस तरह का दायित्व होगा?

Answer. नागरिकता को एक राजनीतिक समुदाय की पूर्ण और समान सदस्यता के रूप में परिभाषित किया गया है। एक समकालीन दुनिया में, राज्य अपने सदस्यों के साथ-साथ कुछ अधिकारों के लिए एक सामूहिक राजनीतिक पहचान प्रदान करते हैं। ऐसे कई अधिकार हैं जो राज्य में कहीं भी यात्रा करने के लिए एक नागरिक द्वारा राज्य से समर्थन और संरक्षण जैसे आनंद ले सकते हैं। मतदान करने के लिए कुछ राजनीतिक अधिकार, चुनाव लड़ने के लिए, सार्वजनिक कार्यालय रखने के लिए आदि। स्वतंत्रता और भाषण और अभिव्यक्ति जैसे नागरिक अधिकार। सामाजिक-आर्थिक अधिकार, समान अवसर, शिक्षा का अधिकार, न्यूनतम वेतन का अधिकार आदि। कुछ अधिकारों के प्रयोग के अलावा, नागरिकों को कुछ दायित्वों को राज्य और उसके साथी नागरिकों के प्रति भी पूरा करना चाहिए। नागरिकता में राज्य और उसके साथी नागरिकों के प्रति कुछ दायित्व शामिल होते हैं। ये दायित्व देश के संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के उत्तराधिकारी और ट्रस्टी होने के लिए विचार के परिणाम हैं।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए जा सकते हैं लेकिन सभी समान रूप से उनका उपयोग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। इसके बारे में बताएं।

Answer. आम तौर पर सभी लोकतांत्रिक देशों में, नागरिकों को समान अधिकार दिए जाते हैं। लेकिन वे सभी गरीबी के कारण, अशिक्षा या सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तरह, समान रूप से उनका उपयोग नहीं कर सकते हैं। समस्या के रूप में, शहरी क्षेत्रों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों की एक बड़ी आबादी, हालांकि वे कम वेतन पर कुछ आवश्यक और उपयोगी काम कर सकते हैं, लेकिन उन्हें अक्सर अवांछित मेहमानों के रूप में देखा जाता है। उन पर क्षेत्र के संसाधनों को कम करने और अपराध और बीमारी फैलाने के लिए भी दोषी ठहराया जाता है। शहरों में अधिकारियों ने अपनी बेहतरी के लिए झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों पर शायद ही कोई राशि खर्च की हो। अन्य समूह आदिवासी लोग और वनवासी हैं क्योंकि ये लोग अपने प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंच पर निर्भर हैं और वे

अपनी आजीविका के लिए इसका सामना करते हैं। सरकार विकास में बाधा डाले बिना इन लोगों और उनके आवास की रक्षा करने की समस्याओं से जूझ रही है।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 हाल के वर्षों में भारत में हुए नागरिक अधिकारों के लिए किन्हीं दो संघर्षों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। प्रत्येक मामले में किन अधिकारों का दावा किया जा रहा था?

Answer. भारत में नागरिक अधिकारों के लिए एक लंबा संघर्ष है जिसका एक लंबा इतिहास है। भारत के संविधान ने समूहों को समान सदस्यता प्रदान करने का प्रयास किया है जो अलग-अलग हैं, जैसे एससी, एसटी और महिलाएं आदि। यहां तक कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले कुछ समुदायों को कवर करने के लिए बहुत सारी पहल की गई हैं जिनका आमतौर पर आधुनिक सभ्यता से बहुत संपर्क नहीं है। महिलाओं, एससी और एसटी, और सरकार के विकासात्मक परियोजनाओं के कारण विस्थापित लोगों के लिए विभिन्न आंदोलनों की शुरुआत की गई थी और उन सभी के लिए 33% सीटें आरक्षित की गई थीं। एक लोकतांत्रिक राज्य में, अल्पसंख्यकों की मांगों पर बातचीत की गई है, जैसे सभी शैक्षणिक संस्थानों में ओबीसी के लिए 27% आरक्षण प्रदान किया गया है।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 शरणार्थियों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है? किन तरीकों से वैश्व नागरिकता की अवधारणा उन्हें लाभान्वित कर सकती है?

Answer. उन समस्याओं का एक लंबा इतिहास है जो अलग-अलग देशों में अलग-अलग समय में शरणार्थियों का सामना करते हैं। 15 अगस्त 1947 में आजादी के बाद भी भारत को विभाजन के कारण इसी समस्या का सामना करना पड़ा। सीमाओं के आसपास बहुत सारे प्रतिबंध हैं लेकिन फिर भी काफी प्रवास होता है जिसे रोकना मुश्किल है। शरणार्थियों को शिविरों में या अर्द्ध प्रवासियों के रूप में रहने के लिए मजबूर किया जा सकता है। लोग युद्ध या सुनामी, अकाल या भूकंप आदि से विस्थापित हो सकते हैं और कोई भी राज्य उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है और वे अपने गृह राज्य में भी नहीं लौट सकते हैं। शरणार्थी कानूनी रूप से काम नहीं कर सकते हैं या अपने बच्चों को शिक्षित या संपत्ति हासिल नहीं कर सकते हैं। शरणार्थियों की समस्याओं को हल करने के लिए, संयुक्त राष्ट्र ने शरणार्थियों के लिए एक उच्चायुक्त को नियुक्त किया है ताकि वे उनका समर्थन कर सकें।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के प्रवास का अक्सर स्थानीय निवासियों द्वारा विरोध किया जाता है। प्रवासी, स्थानीय अर्थव्यवस्था में क्या योगदान कर सकते हैं?

Answer. भारत जैसे लोकतांत्रिक राज्य में हमें आंदोलन की स्वतंत्रता का अधिकार है। नागरिकों को भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकार है। शहरों, क्षेत्रों या राष्ट्रों में समय-समय पर प्रवास होता है। यदि राज्य द्वारा प्रदान की जाने वाली नौकरियां और चिकित्सा सुविधाएं और सुविधाएं प्राकृतिक संसाधनों के साथ सीमित हैं, तो यह बाहरी नागरिकों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर सकती है, यहां तक कि साथी नागरिकों के मामले में भी। मुंबई के मुंबईकरों के लिए भी इसी तरह के कई संघर्ष दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हुए हैं। ये प्रवासी अलग-अलग शिष्टाचार में स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए सहायक हैं जैसे स्लम निवासी अपने मजदूरों के माध्यम से फेरीवालों, क्षुद्र व्यापारियों, प्लंबर, श्रमिकों, यांत्रिकी के रूप में अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 “लोकतांत्रिक नागरिकता भारत जैसे समान नागरिकता प्रदान करने वाले देशों में भी एक पूर्ण स्थापित तथ्य के बजाय एक परियोजना है।”. आज भारत में नागरिकता से संबंधित कुछ मुद्दों पर चर्चा करें।

Answer. युद्ध या अकाल या आंतरिक या बाहरी गड़बड़ी से विस्थापित लोगों के विभिन्न उदाहरण हैं। इन लोगों को अपने या पड़ोसी देशों में शरणार्थी बनने के लिए मजबूर किया गया। भारत ने दलाई लामा और उनके अनुयायियों की तरह 1958 में अभियोजन पक्ष के लोगों को शरण देने का फैसला किया। पड़ोसी देशों के लोगों का प्रवेश भारत के सभी राज्यों की सीमाओं के साथ हुआ और प्रक्रिया जारी है। ये एशिया और अफ्रीका के लोग हो सकते हैं जो आतंकवादी हमले के लिए या ड्रग्स की तस्करी के लिए भारत में तस्करी करने के लिए एजेंट उपलब्ध कराते हैं। कई शरणार्थी अवैध प्रवासियों के रूप में रहने वाली कई पीढ़ियों के लिए स्थिर रहते हैं। केवल कुछ को ही नागरिकता दी जाती है। इस तरह की समस्याएं लोकतांत्रिक नागरिकता के सामने एक चुनौती हैं।

Page : 96 , Block Name : प्रश्नावली